SHRI RAJESH PILOT: Sir, I require notice for getting the correct information.

**Child Welfare Schemes**

*427. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government propose to spend Rs. 35 crores for the various child welfare schemes during the next one year and if so, the details thereof; and

(b) whether Government have prepared estimates for the investments needed for meeting the challenge of child welfare, and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) WITH ADDITIONAL CHARGE OF MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT (KUMARI MAMATA BANERJEE): (a) and (b) The Government have prepared estimates which have been sent to the Planning Commission. These estimates have not yet been finalised. It is hoped that the amount spent on Child Welfare Schemes for 1992-93 will be much higher than Rs. 35 crores and would cover expenditure on JCDS Creches and Adolescent Girls among other things.

**श्री सुरेश पचौरी :** माननीय सभापति जी, आदरणीय मंत्री महोदय, ने चाइल्ड वेल्फेयर स्कीम्स के तहत जो एक्सपेंडीचर है उसमें आई०सी०डी०एस० को भी कवर करने का अपने उत्तर में उल्लेख किया है । मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि आई०सी०डी० एस० के अंतर्गत कितने बच्चे व गर्भवती महिलायें लाभांवित हुए हैं । आई०सी०डी० एस० प्रोग्राम कितने ब्लाक्स में चल रहा है ? सातवीं पंचवर्षीय योजना में कितने रुपए व्यय किए गए तथा वर्ष 1991–92 के लिए, कितने बजट का प्रावधान इनके मंत्रालय ने रखा है ? जितने ब्लाक्स में आई०सी०डी०एस० प्रोग्राम चल रहा है, उनमें मध्य के कितने ब्लाक शामिल हैं?

**कुमारी ममता बनर्जी :** सभापति महोदय, आई०सी०डी०एस० प्रोग्राम हमारे डिपार्टमेंट का सब से बड़ा प्रोग्राम बाल कल्याण के लिए है । इस प्रोग्राम में 1.29 करोड चिल्ड्रन जीरो टू सिक्स ईयर्ज और 27.20 लाख प्रेगनेंट वूमेन लाभान्वित हुए हैं । हमारे पूरे देश में इसके लिए 2594 स्वीकृत ब्लाक्स हैं । सातवीं पंचवर्षीय योजना में 850 करोड रुपया इसके लिए खर्च हुआ है । 1991–92 का बजट 307 करोड़ का है । वर्ल्ड बैंक भी इसके लिए हम को मदद देता है । हम पूरे मध्य प्रदेश को कवर करने के लिए कोशिश कर रहे हैं । जो 2594 ब्लाक्स का प्रोग्राम सैंक्शन हुआ है, इसके बाद संसद सदस्य चाहते हैं कि इस प्रोग्राम को सब डिस्ट्रिक्ट्स में एक्सपेंड किया जाए । इसलिए हमारी कोशिश यह है है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना में हम इसे एक्सपेंड करेंगे ।

**श्री सुरेश पचौरी :** माननीय सभापति जी, जो अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन स्कीम है, उसके अंतर्गत नान आई०सी०डी०एस० एरियाज में इस स्कीम को जारी करने संबंधी घोषणा इनके मंत्रालय ने की थी जिसमें इस बात का जिक्र किया गया था कि जो एजूकेशनली बैकवर्ड स्टेट्स हैं उनमें इसको प्रारंभ किया जाएगा । मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि क्या यह अर्ली चाईल्डहुड एजुकेशन स्कीम में जो एजुकेशनली बैकवर्ड स्टेट्स ली गई हैं , उनमें मध्य प्रदेश भी शामिल है और यदि है तो उसकी कितनी अस्सिटेंस दी जाएगी ? साथ ही वर्ल्ड बैंक अस्सिटेंस जो इन कार्यक्रमों के लिए दी जा रही है उसके अंतर्गत क्या मध्य प्रदेश को भी शामिल किया गया है, यदि किया गया है तो मध्य प्रदेश को कितनी राशि प्रदान की जाएगी ?

**कुमारी ममता बनर्जी :** सभापति जी, नान आई०सी०डी०एस० एरिया जो हैं

इसी में यह स्कीम शामिल है। सर, यह 9 स्टेट्स हैं आन्ध्र प्रदेश, आसाम, बिहार, मध्य प्रदेश, जम्मू-काश्मीर .. (**व्यवधान**)

**श्री सभापति** : मध्य प्रदेश का पूछ रहे हैं, वह तो है ।

**कुमारी ममता बनर्जी** : मध्य प्रदेश का पूछा है, मध्य प्रदेश में भी है । बाकी की स्टेट्स है राजस्थान, वैस्ट बंगाल और उत्तर प्रदेश । अर्ली चाइल्डहुड एजूकेशन के लिए मध्य प्रदेश को हम ज्यादा दे रहे हैं चिल्ड्रेन के जो प्रोग्राम हम आने वाले दिनों में ले रहे हैं उनमें हम मध्य प्रदेश को ज्यादा दे रहे हैं क्योंकि इसमें ट्राइबल एरियाज हैं ।

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, perhaps my question borders on this Ministry and the Health Ministry. But since the Minister...

MR. CHAIRMAN: Please be on the right border.

**श्री एन. के. पी. साल्वे** : सर, आपकी नजरे इनायत हो जाएगी तो सब राइट हो जाएगा ।

Since the Minister happens to be very committed to child welfare, therefore, I am putting it to her. Sir, in the metropolitan cities, I was surprised to learn that there is no Government hospital with paediatrics super-specialities.

MR. CHAIRMAN: But paediatrics has no concern with her.

SHRI N. K. P. SALVE: I am coming to that. I will make it relevant. Sir, there is no single Government hospital with paediatrics super-specialities in any of the metropolitan cities. May, I know whether the Minister would consider diverting part of the funds to establishing this kind of super-speciality.

KUMARI MAMATA BANERJEE: Sir, it is relating to the Health Ministry.

MR. CHAIRMAN: I know that.

SHRIMATI KAMLA SINHA: I would like to know from the hon. Minister this. She has stated about the Child Welfare Schemes through ICDS. She has also given the next year's budgetary provision. I would like to know from her as to how many workers are there to implement the Child Welfare Programme through ICDS. I would also like to know how many workers are working through Anganwadi and what are their pay scales.

KUMARI MAMATA BANERJEE: Actually, Sir, if she is asking for details of all these things, I can supply them later on. But as regards their pay scales, they are not Government employees. They are only honorary workers and they are given on an average honorarium of Rs. 275. We are trying to increase the honorarium as it is very less and the department is sympathetic towards them. We are trying our best to increase the honorarium.

SHRIMATI KAMLA SINHA: Sir, I seek your protection: She has said that they are gtting too little honorarium. They work for 8 to 10 hours a day and they are getting a remuneration which is much below subsistence level. I would like to know from the Minister whether she would propose to the Government, to the Cabinet to include these workers as IV Grade employees of the Central Government.

KUMARI MAMATA BANERJEE: Sir, I have already replied that they are getting honorarium and that they are not Government employees. We are trying to increase their honorarium.

SHRIMATI KAMLA SINHA: (Question repeated in Bengali)

KUMARI MAMATA BANERJEE: Sir, this is not related to the question. Whatever can be done according to rules and regulations, we will submit it to the Cabinet, otherwise not... (*Interruptions*)...

**श्री शंकर दयाल सिंह** : सभापति जी, एक बंगाली महिला हिंदी में जवाब दे रही थी, एक बिहारी महिला अंग्रेजी में सूछ रही है और फिर बंगली में, यह बहुत अच्छी बात है । .... (**व्यवधान**)

**श्री सभापति** : अब आप असमी में बोलना शुरू कर दीजिए ।

**श्रीमती सुषमा स्वराज** : सभापतिजी, मैं माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहूंगी कि आई०सी०डी०एस० कार्यक्रमों के तहत खर्च की जाने वाली राशि जब हम समग्र रूप से देखते हैं, तो वह राशि काफी ज्यादा करोड़ों में दिखाई देती है, लेकिन जब उसे प्रति बच्चे की दर से देखा जाए, तो वह राशि अपर्याप्त ही नहीं, इतनी कम है कि उसे बताते हुए संकोच होता है ।

आई०सी०डी०एस० के तहत बच्चों के लिए एक पोषक आहार योजना चलती है, जिसमें आज की महंगाई के जमाने में एक रुपया प्रति बच्चा मिलता है । इस जमाने में एक रुपए में कौनसा पोषक आहार बच्चे को दिया जा सकता है। और उसमें भी भ्रष्टाचार व्याप्त है तथा वह एक रुपया भी बच्चे तक नहीं पहुंच पाता । तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि इस बारे में वह क्या कर रही हैं ताकि यह पोषक आहार योजना के तहत बच्चों को वाकई पोषक आहार दिया जा सके ?

**कुमारी ममता बनर्जी** : सभापति जी, हमारा देश बहुत बड़ा देश है । एक प्रोजेक्ट की हमने शुरू किया है, उसमें हमने 2594 ब्लाक्स को स्वीकृत किया है । जो माननीय सदस्या ने भ्रष्टाचार की बात की है, हमारे पास उसकी कोई इनफार्मेशन नहीं है । केवल एक इनफोर-मेशन दिल्ली के बारे में मिली थी, जिसके लिए हमने हाई-लेवल इन्क्वायरी का आर्डर दिया है ।

**श्रीमती सुषमा स्वराज** : मैंने तो कहा है कि वह राशि कम है... **(व्यवधान)**

**कुमारी ममता बनर्जी** : मैडम, आप हम को बोलने दीजिए । सर, अगर माननीय सदस्या के पास भ्रष्टाचार की कोई स्पेसिफिक इनफर्मेशन है, तो वह हमें पास आन कर दें । हम उस पर एक्शन ले लेंगे ।

**श्रीमती सुषमा स्वराज** : मेरे सवाल का तो यह जवाब है ही नहीं .... **(व्यवधान)** मेरा सवाल तो यह है कि ... **(व्यवधान)**

**श्री शंकर दयाल सिंह** : सर, हमको खुशी है कि हरियाणा की एक महिला को बंगाल की एक महिला ने जवाब दिया ।

**श्रीमती सुषमा स्वराज** : महोदय, मैं तो यह कह रही हूं कि एक रुपया इतना कम है । भ्रष्टाचार वाली बात तो टिप्पणी स्वरूप थी ।

**श्री सभापति** : आपने भ्रष्टाचार पर जोर दिया था । तो उसका जवाब उन्होंने दे दिया है ।

**श्रीमती सुषमा स्वराज** : मेरा सप्ली-मैन्ट्री तो यह है कि केवल एक रुपया प्रति बच्चा आता है । तो क्या मंत्री महोदय इसको बढ़ाने के लिए कुछ करेगी ?

**श्री सभापति** : अब ज्यादा चीजें मिला देने से यही होता है । Her main question is, you are giving only one rupee per child and nutritious food cannot be provided in one rupee. That is her question. By the way she added corruption.

**कुमारी ममता बनर्जी** : आई०सी०डी०एस० प्रोग्राम में हमारा डिपार्टमेंट जो आनरेरियम होता है, वह देता है । लेकिन इसमें हैल्थ मिनिस्ट्री भी रुपया देता है, स्टेट गवर्नमेंट भी देती है, रूरल मिनिस्ट्री भी देती है । तो हम लोग हैल्थ चैक-अप करावाते हैं, फ्री एजूकेशन देते हैं, न्यूट्रिशन देते हैं, रेफरेल सर्विसेज देते हैं ... **(व्यवधान)**

**कुमारी सईदा खातून** : माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि जो बाल कल्याण संबंधी यह विभिन्न योजनाओं के तहत आपने जो 35 करोड़ रुपया खर्च

करने की योजना बताई है तो इंटीरियर क्षेत्र में कितने आप ऐसे होस्टल स्कूल बनाना चाहते हैं आदिवासियों के लिए ट्राइबल्स एरिया में उसकी संख्या कितनी होगी और उसमें कितनी राशि इसके परसेंटेज के हिसाब से खर्च की जाएगी और वैसे भी मध्य प्रदेश सरकार जितनी योजनाओं का पैसा है, एक योजना का पैसा दूसरी योजना में खर्च कर देती है। इसकी टोपी उसके सर करती है, इसलिए मैं जानना चाहूंगी कि यह पैसा उसी योजना में खर्च किया जाएगा या नहीं ?

**कुमारी ममता बनर्जी** : बिल्कुल मैं माननीया सईदा खातून जी को बधाई देना चाहती हूं कि जो ट्राइबल एजुकेशन के बारे में बहुत चिंतित हैं, लेकिन, एजुकेशन सेपरेट सबजैक्ट है। हम माननीय सदस्या का जो इंप्रेशन है वह श्री अर्जुन सिंह जी के पास जरूर पहुंचायेंगे, लेकिन मध्य प्रदेश में हमारा आई० सी०डी०एस० प्रोग्राम है जो फ्री एजुकेशन हम लोग लेते हैं वह हम लोग देते हैं थ्रू आई०सी०डी०एस० प्रोग्राम।

**श्री समापति** : विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्र में देते हैं।

**Production of Delhi milk scheme**

*428. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what are the details of the milk products now being sold by the Delhi Milk Scheme;

(b) whether it is a fact that the Delhi Milk Scheme has set up 'All day Milk Stalls' for sale of these products in Government offices only;

(c) whether Government propose to set up such stalls in other places also; and

(d) if so, the details thereof and if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA) (a) Delhi Milk Scheme sells ghee, butter, yoghurt and flavoured milk.

(b) All Day Milk Stalls have been set up mainly in areas where there is a concentration of Government Offices.

(c) and (d) Delhi Milk Scheme is considering the setting up of a few more All Day Milk Stalls in other areas of Delhi/New Delhi.

**श्री सैयद सिब्ते रजी** : सर, दिल्ली मिल्क स्कीम पर बहुत ज्यादा प्रैशर है और यह पूरी तरह से मांग पूरी नहीं कर पा रहे हैं। क्या स्पेसफिक योजना है कि दिल्ली में दूध हर सीजन में, हर समय ठीक वक्त से मिलता रहेगा और स्टाल्ज को किसी प्रकार की कमी नहीं आने पाएगी और जो मौजूदा स्टाल्ज हैं उनको उनकी कार-कारदगी बेहतर बनाने के लिए क्या स्पष्ट योजना आपका डिपार्टमेंट बना रहा है ?

SHRI K. C. LENKA: The question is about the manufacture of the by-products. The sale of by-products is not the objective of the DMS.

MR. CHAIRMAN: Milk product , is being sold.

**कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़)** : माननीय सदस्य ने जो कहा है कि कैसे और ज्यादा सप्लाई की जा सकती है उसके लिए विशेष ध्यान डेरी डिवलपमेंट पर दिया जाएगा। दूध ज्यादा पैदा हो और उसको ठीक ढंग से इकट्ठा किया जाए, मैं चाहता हूं कि कोआपरेटिव सैक्टर को ज्यादा उत्साह दिया जाए और कोआपरेटिव सैक्टर में हम लोगों को मैस गाय दे सकते है और जितने शुद्ध तरीके से कोआपरेटिव सैक्टर में कोई बढ़ाएगा, कोई भी व्यक्ति काम करेगा तो उसको रोजगार भी मिलेगा, एम्प्लायमैंट भी होगी और दूध का उत्पादन भी बढ़ेगा। दूध को तो हमें महाराष्ट्र से, राजस्थान से, उत्तर प्रदेश से भी लेना पड़ता है। हमारा विचार यह है कि जितना हम दूध का उत्पादन बढ़ा सकें वह बढ़ाएं और उसके साथ-साथ यहां पर फिर वह सप्लाई भी बढ़ जायेगी।